Pradeep Sorastriya_PAPER-1 (UNIT-1, 2, 3) 31-01-2022

24 February 2022 11:36

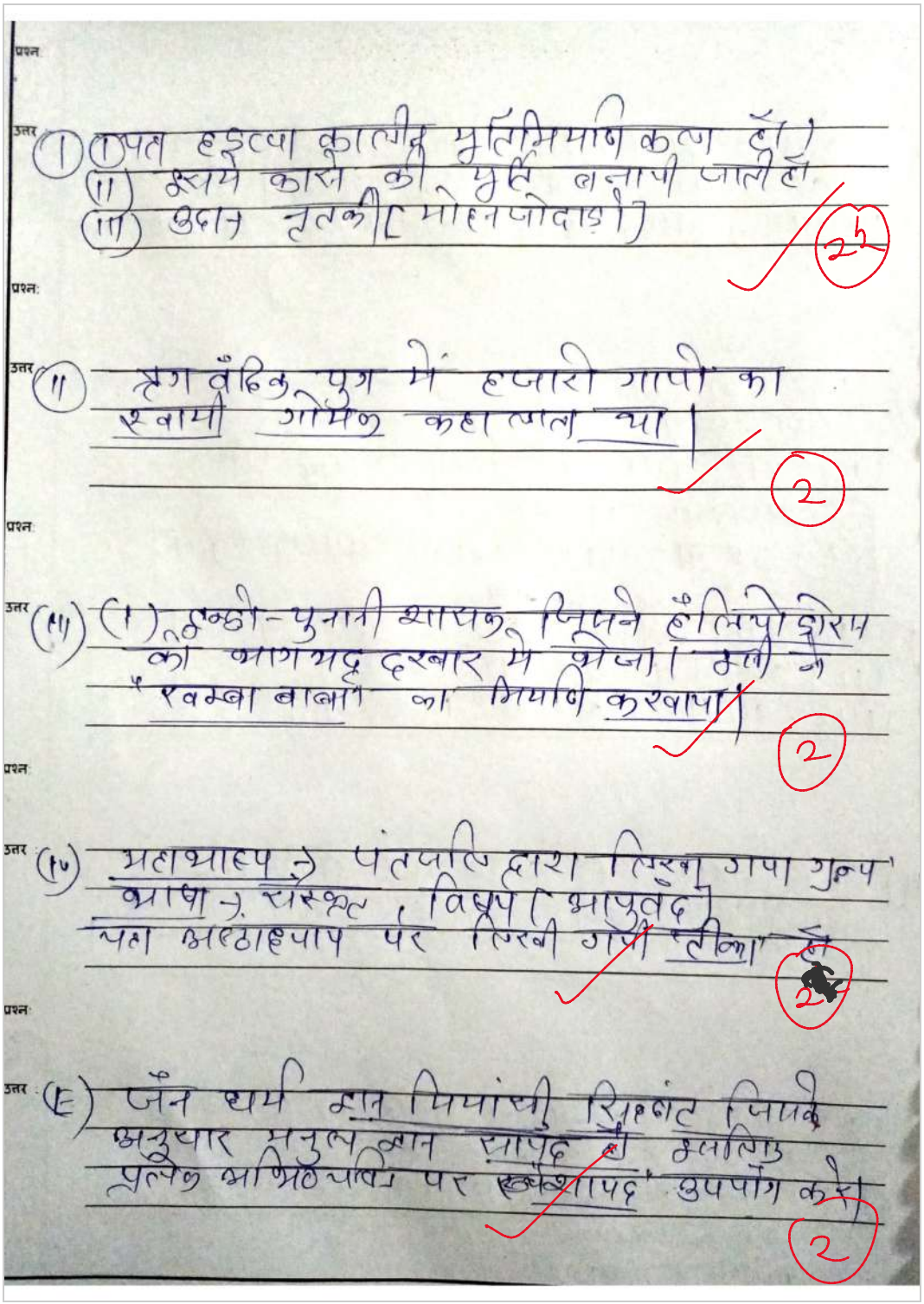

प्रश्न:

उत्तर: (1) (i) पश्च हड़प्पा कालीन मूर्तिनिर्माण कला है।
(ii) कांसे की मूर्ति बनायी जाती है।
(iii) उदात्त नृत्यकी [मोहनजोदड़ो]

2½

प्रश्न:

उत्तर: (ii) ऋग्वैदिक युग में हजारों गायों का स्वामी गोमत कहा जाता था।

2

प्रश्न:

उत्तर: (iii) (i) इण्डो-यूनानी शासक जिसने हेलियोडोरस को भागभद्र दरबार में भेजा। इसी ने "खम्बा बाबा" का निर्माण करवाया।

2

प्रश्न:

उत्तर: (iv) महाभाष्य → पतंजलि द्वारा लिखा गया ग्रन्थ
भाषा → संस्कृत, विषय [आयुर्वेद]
यह अष्टाध्यायी पर लिखी गयी "टीका" है।

2

प्रश्न:

उत्तर: (v) जैन धर्म ज्ञान मिमांसी सिद्धांत जिसके अनुसार मनुष्य ज्ञान सापेक्ष है इसलिए प्रत्येक अभिव्यक्ति पर 'स्यादपद' उपयोग करे।

2

Question.1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 10 words. All questions are compulsury. Each question carries 03 (Three Marks)

प्रश्न:

उत्तर (F) अतालिका ने एक मीनार पी मस्जिद के ऊपर बैलनाकार, धुमावदार, लम्बी, धुर्ण समान संरचना होती है।

2

प्रश्न:

उत्तर (G) अकबर द्वारा अपनायी गयी धार्मिक नीति जिसके तहत सहिष्णुता, समान्य व सहयोग बधुत्व को प्रोत्साहित किया गया।

2

प्रश्न:

उत्तर (H) सिक्को पर 'अल्लाह' का नाम उत्कीर्ण करवाने की प्रथा। औरंगजेब ने प्रतिबंध लगा दिया था

2

प्रश्न:

उत्तर (J) (I) यह दिल्ली में स्थित है।
(II) कुतबुद्दीन ऐबक द्वारा बनवायी गयी
(III) पहली एक विजय मंदिर था।

2

प्रश्न:

उत्तर (K) (I) विलियम बेंटिक के समय धर्म मामले में दखल विवाद हुआ। कारण धार्मिक चिन्ह ना पहनने देना तथा भारतीय बहुत था।

2

compulsury. Each question carries 03 (Three Marks)

(L) (I) महात्मा गांधी द्वारा स्थापित संस्था
(II) यह दक्षिण अफ्रीका में बनायी गयी
(III) उद्देश्य → सत्याग्रह हेतु वित्त सहयोग

1½

(M) 1930 में दाण्डी नमक कानून तोड़ने के बाद ब्रिटिश विरोध हेतु आरम्भ गांधीजी का आंदोलन धरसाना सोल्ट वर्क्स कहलाता है।

2

(N) (I) एक बंगाली क्रांतिकारी संगठन
(II) बारिन्द्र कुमार घोष, भूपेन्द्रनाथ दत्त संस्थापक
(III) यह अलीपुर केस से संबंधित रही।

2

(O) (I) (HRA) द्वारा लखनऊ से सहारनपुर जाती ट्रेन को काकोरी स्टेशन पर लूटा।
चन्द्रशेखर, रामप्रसाद बिस्मिल, रोशनसिंह भागीदार

2

SECTION -A
खंड-'अ'

प्रश्न: 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 10 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है। 5x10=

Question.2 Write the answers of any ten of the following questions in maximum 50 words. Each question carries 6 (Six) marks.

पू./M =

प्रश्न: (2.2) (A)

उत्तर :

(1) हड़प्पा की मुहरे सौन्दर्य की बनी थी इनका भिन्न महत्व है।

(i) आर्थिक → यहां व्यापार-विनिमय हेतु उपयोग की जाती है।

(ii) धार्मिक → हड़प्पाकालीन धार्मिक दर्शन व उससे सम्बन्धित विषय की जानकारी स्रोत उदा. मोहनजोदड़ो से प्राप्त → पशुपतिनाथ अंकित मुहर।

(iii) सामाजिक → मातृपूजा, वृक्षपूजा, योनिपूजा, लिंगपूजा आदि के प्रमाण प्राप्त।

(iv) पुरातात्विक → साहित्य के बिना पर इतिहास लेखन का आधार है।

3

प्रश्न: (2.2)

पू./M =

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(B) हर्षवर्धन काल में प्रत्येक पाँचवे वर्ष
में दान वितरण समारोह आयोजित
किया जाता था जिसे महामोक्षपरिषद
कहते थे यह राजा हाथों से लोगों को
दान देता था तथा देवि-देवता की पूजा
करता था। 6 वे परिषद में ह्वेनसांग भी
शामिल हुआ था।

उद्देश्य - (I) सामाजिक आधार प्राप्ती।
(II) राजत्व सिद्धांत को महत्व प्रदान करना।
(III) धार्मिक समन्वय व सहयोग
(IV) जनसमर्थन व जनकल्याण।

3

प्रश्न: (2.2)

(C)

उत्तर :

प्राचीन इतिहास के षड्दर्शन में
योग दर्शन ~~कहा~~ पतंजलि द्वारा प्रतिपादित।
इसके निम्न सिद्धांत प्रतिरूप है

(a) यह विभिन्न शारीरिक उपायों
व स्थितियों के आधार पर मनुष्य
शांति, संतुलन को महत्व देता है
(B) यह आस्तिक दर्शन है तथा प्रकृति
को प्रवृत्ति स्वीकार करता है
(c) जड़ तत्व के रूप में मनुष्य को
महत्व दिया है।

3

2.2)

उत्तर: (I) वे विनिर्माण केन्द्र जो सल्तनत के नियन्त्रण में होते उन्हें "स्वरस्वाना" कहा जाता था। प्रमुख स्वरस्वाने निम्न थे।
(I) हथियार निर्माण स्वरस्वाने → दिल्ली, बंगाल।
(II) कपड़ा निर्माण → लाहौर, मुल्तान, बनारस
(III) काँच निर्माण → फिरोजपुर, जौनपुर।
(IV) ... निर्माण → दिल्ली, बनारस, आदि।
(2) प्रोत्साहित कारक :- (I) नयी तकनीकों का आगमन उदाः धुनकी, काँच, चरखा आदि
(II) सुल्तानों के प्रयास फिरोज तुगलक ने गुलामों को शाही कारखानों में लगाया

3

प्रश्न: (2.2)

उत्तर (E) इक्ता प्रणाली इल्तुतमिश द्वारा आरंभ की गयी। इसकी निम्न विशेषता रही

(I) इक्ता क्षेत्र किसी में इक्तेदार नियुक्त होता।
(II) इक्तेदार को क्षेत्र का प्रशासन, राजस्व, शांति, उत्तरदायी सौंपा जाता है।
(III) प्राप्त कुल राजस्व में अपने वेतन व व्यय को निकालकर केंद्र को भेजना होता था।
(IV) इनके पद वंशानुगत नहीं होते तथा इन्हें स्थानांतरण किया जा सकता था।
(V) राजस्व (वली) कानून (मुक्ता) अधिकारी होते हैं

3

प्रश्न: (2.2)

उत्तर (F) अलबरूनी ने किताबुल-हिन्द-पुस्तक की रचना की (1000-11) में के भारत का वर्णन है जो निम्न प्रकार है।

(I) भारत के लोग विज्ञान, ज्योतिष, गणित के विषय में उपयुक्त जानकार हैं
(II) समाज वर्णव्यवस्था में विभाजित, अस्पृश्यता विद्यमान
(III) भारतीय रूढ़िवादी व घमण्डी हैं उन्हें वैश्विक घटनाओं की जानकारी नहीं
(IV) भारतीय लोगों को भरपूर सम्मान देते हैं
(V) गरीब महिलाएं खेतों में कार्य करती हैं
(VI) जबकि भारत में विभिन्न धर्म की उपस्थिति बताता है

3½

प्रश्न: (2.2)

उत्तर: (J) बारडोली सत्याग्रह गुजरात मे सरदार पटेल के नेतृत्व मे किया गया।

सत्याग्रह के कारण :- (I) ब्रिटिश शासन द्वारा कर दरो मे बढोत्तरी।

(II) कृषि संकट - व उत्पादन ना होने के बावजूद करो मे राहत नही।

प्रमुख रणनीति → (I) ब्रिटिश अधिकारियो के साथ उनके सहयोगियो का बहिष्कार।

(II) कर न चुकाना तथा मुकदमे दायर किए गए

प्रभाव → (I) गांधीजी का समर्थन मिला

(II) अंतत सरकार द्वारा कर दर बढोत्तरी समाप्त की गयी।

3

प्रश्न: (2.2)

उत्तर: (H) लार्ड लिटन द्वारा वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट पारित किया गया। इसके निम्न प्रावधान।

(I) सरकार विरोधी विचारो के प्रचार पर प्रतिबंध। (जिला दण्डनायक द्वारा)

(II) समाचार पत्रो के प्रकाशन से पूर्व एक प्रति सरकारी पत्रालय मे एक प्रति भेजनी होगी (मुख्यत देशी भाषा समाचार पत्र को)

(III) जिला दण्डनायक स्थानीय सरकार अनुमति पर समाचार पत्र प्रकाशन पर रोक लगा सकता है

(IV) DM का निर्णय अंतिम होगा कोई अपील प्रावधान नही।

इसे मुंह बंद करने वाला अधिनियम कहा गया।

3

प्रश्न: (2.2)

उत्तर: (I) जवाहरलाल नेहरू द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संबंध में पंच शील नीति अपनायी गयी इसके पांच सिद्धांत निम्न है।

(i) राष्ट्रों की सम्प्रभुता का सम्मान करना

(ii) एक-दूसरे पर आक्रमण नहीं करना।

(iii) आंतरिक मामलो में हस्तक्षेप नही करना।

(iv) आपसी सहयोग व शांतिपूर्ण सहअस्तित्व को बढ़ावा।

(v) समानता व पारस्परिक हित संवर्धन

3

प्रश्न: (2.2)

उत्तर: (J) कार्नवालिस द्वारा शुरू की गयी बंगाल, बिहार, उड़ीसा आदि में निम्न नकारात्मक परिणाम हुआ।

(i) किसानो के भूमि अधिकार छिन्न गए

(ii) कृषक अपनी भूमि पर मजदूर बन गए

(iii) जमींदारो द्वारा सरकार द्वारा तय करदरो से अधिक लगान दर वसूलना।

(iv) कृषि विकास हेतु कोई ध्यान नही दिया गया

(v) जमींदारो के अत्याचार के कारण कृषकों को नुकसान हुआ।

(vi) कृषक समाज गरीब होता गया अतः यह ग्रामीण गरीबि, अकाल का कारण बनी

3

question carries 11 marks.

प्रश्न: (3.1)

(A)

गुप्तकाल (पन्ड) सिंह काल को माना जाता है जब विभिन्न राजवंश गुप्ता, पल्लवा, चालुक्य उत्पन्न हुये। इस काल की विभिन्न उपलब्धियाँ इसे स्वर्णकाल बताती है

(I) राजनैतिक एकीकरण जो गुप्त समाज के अंतर्गत हुआ गुजरात-बंगाल तक विस्तार

(II) व्यापार - वाणिज्य प्रगति सबसे ज्यादा सोने के सिक्के जारी गये

(III) विज्ञान-तकनीकी पर बल आर्यभट्ट, वराहमिहिर, धनवंतरी आदि

(IV) साहित्यों की रचना कालिदास [अभिज्ञान शाकुंतलम मेघदूतम आदि] विष्णुशर्मा (पंचतंत्र) विशाखदत्त मुद्राराक्षस आदि।

(V) कलाओं को प्रोत्साहन नागरशैली मंदिर निर्माण सारनाथ शैली मूर्तिनिर्माण अजंता, एलोरा, उदयगिरि आदि गुफा चित्रकला आदि।

(6) धार्मिक सहिष्णुता युक्त समाज।
परन्तु उसके बावजूद कई कमियां मौजूद।

(I) महिलाओं की दयनीय स्थिति
सती प्रथा, बालविवाह, बहुपत्नी प्रथा

(II) आर्थिक असमानता विद्यमान उच्च
पातनकांशी कौड़ियां का प्रयोग करते।

(III) सामाजिक वर्णव्यवस्था - अस्पृश्यता विद्यमान
फाह्यान ने वर्णन किया

(IV) अंतिम गुप्तकाल में नगरों का
पतन, व व्यापार-ह्रास हुआ

(V) वेश्यावृत्ति, देवदासी प्रथा विद्यमान
थी कई काव्यपुस्तकों में वर्णित
मिलता है।

(VI) राजनीतिक एकीकरण के बावजूद
सामंतवादी प्रवृत्ति उच्च राजा
महाराजाधिराज उपाधि धारण करते।

अतः इतिहास के सभी कालों में कुछ
कमियां विद्यमान होती हैं उसी प्रकार
गुप्त काल है यह पूर्ण स्वर्णकाल
कहा जाए या नहीं अपितु धर्म-संस्कृति
व कला की दृष्टि से प्रगतिशील काल है

9

प्रश्न: (3.1)

(B) औरंगजेब मृत्यु 1707 के बाद मुगल साम्राज्य कमजोर हो गया तथा 150 वर्ष बाद 1857 मे उसका पतन हो गया।

इस पतन मे औरंगजेब की विभिन्न नीतिया जिम्मेदार रही।

(i) औरंगजेब द्वारा धार्मिक कट्टरवादी नीती अपनाना जैसे गुरू तेग बहादुर की हत्या, मंदिरो का विनाश व जजिया कर आरोपण जिससे बहुसंख्यक वर्ग असंतुष्ट हो दिया।

(ii) राजपूतो के आंतरिक मामलो मे हस्तक्षेप जैसे जोधपुर उतराधिकार मामला फलस्वरूप राठोर विद्रोह फैला तथा राजपूत विरोधी हो गए।

(iii) दक्षिण नीती मे अत्याधिक धन-साधन खर्च किया वही उतरी क्षेत्र मे सतनामी, जाट विद्रोह उत्पन्न हो गया।

(iv) शिवाजी, व मराठो की शक्ति को महत्व न दिया जिससे संबंधित नीती मे असफलता प्राप्त हुई।

(5) औरंगजेब द्वारा अत्यधिक खालसा भूमि का विस्तार व अत्यधिक जागीर वितरण करने से जागीरदारी संकट उत्पन्न हो गया।

परन्तु इसके बावजूद केवल औरंगजेब को उत्तरदायी मानना अतिश्योक्तिपूर्ण होगा क्योंकि 1707 तक मुगल साम्राज्य क्षीण नहीं हुआ। कई अन्य कारण भी उत्तरदायी रहे।

(I) अयोग्य उत्तराधिकारी।
(II) क्षेत्रीय राज्यों का उदय (अवध, हैदराबाद मुर्शिदाबाद आदि)
(III) प्रतिस्पर्धी शक्तियों का उदय (मराठा, सिक्ख, कंपनी)
(IV) अमीरों का बढ़ता हस्तक्षेप (सैय्यद बंधु)
(V) बाहरी आक्रमण (नादिरशाह-अब्दाली)
(VI) नौसेना व आधुनिकरण अभाव।

अतः मुगल साम्राज्य में राजनीतिक-सामाजिक आर्थिक समस्याएं औरंगजेब ने उत्पन्न की तथा उसके ~~अधिकारी ने~~ उत्तराधिकारियों ने उसे तीव्र कर पतन को बढ़ावा दिया।

8

(c) भारतीय पुनःस्वतंत्रता के लिए कांग्रेस द्वारा ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ किया गया। प्रारंभ में वे इसके पक्ष में नहीं थी।

अत विभिन्न कारणों ने उन्हें इस हेतु मजबूर किया।

(i) ब्रिटिश व्यवहार → सरकार द्वारा अगस्त प्रस्ताव व क्रिप्स मिशन में कांग्रेस मांग पूर्ण स्वतंत्रता का स्वीकार ना किया जाना।

(ii) युद्ध नीति → सरकार ने भारत को बिना कांग्रेस से पूछे विश्व युद्ध में शामिल कर दिया

(iii) आर्थिक दबाव → विश्व युद्ध के कारण भारत में व्यापक मुद्रास्फीति, खाद्य संकट, गरीबी

बेरोजगारी उत्पन्न हुई जिस हेतु सरकार द्वारा कोई सुधारात्मक प्रयास ना किया जाना।

(4) जाती आक्षेपण → जापान के दक्षिण पूर्व एशिया विस्तार व भारतीय आक्षेपण खतरे के प्रति भारतीयों प्रतिरोध भावना उत्पन्न करते हैं।

(5) नस्लीय भेदभाव → व्यापारं को खाली कराने के दौरान भारतीयों व ब्रिटिश के मध्य किया गया भेदभाव।

(6) अकाल → 1942 मे बंगाल मे अकाल पड़ा परन्तु ब्रिटिश द्वारा कोई राहत कार्य न करना।

इन सभी भेदभाव पूलक नीतियों व समस्याओं के प्रति भारतीयों मे रोष था इसी प्रतिरोध भावना का उपयोग स्वतंत्रता प्राप्ती किए जाने व अपनी लक्ष्य प्राप्ती के कारण कांग्रेस ने आंदोलन आरंभ किया।

8

Question: 3 There are 05 sub-question in this question, each has to be answered in maximum 200 words. All questions are mandatory. There is an internal option in every question. The answer to the internal option of the candidates is to be made explicitly before the answer. Each question carries 11 marks.

पू./M = 11

प्रश्न: (3.1)

(I) 6 वी शताब्दी ई.पू. में ब्राह्मणवादी कर्मकाण्ड व सामाजिक भेदभाव वादी के नीतियों के प्रतिरोध के रूप में गौतम बुद्ध द्वारा बौद्ध धर्म की स्थापना की।

बौद्ध धर्म के निम्न सिद्धांत है।

- अहिंसावाद
- वर्ण का विरोध
- नश्वरवादी
- मध्यममार्गी
- चार आर्य सत्य
- प्रतीत्यसमुत्पाद
- क्षणिकवाद
- अष्टांगिक मार्ग

(a) चार आर्य सत्य → दुख, दुख समुदाय, दुख निवारण, दुख निरोध गामिनि प्रतिपदा

(B) प्रतीत्यसमुत्पाद → दुख का कारण तृष्णा (ममता) है जिससे मानव द्वादश चक्र में निरन्तर घूमता रहता है।

(c) क्षणिकवाद → बौद्ध धर्म तत्वमीमांसी विचार है जो यह भी पदार्थ या वस्तु की मात्र क्षणभर की सत्ता

या अस्तित्व को स्वीकार करता है

(d) अदैयवाद → सम्पूर्ण तर्क-विचार के बावजूद सत्य ना जाना जा सके उसे त्याग देना चाहिए।

(e) अनात्मवाद → आत्मा की उपस्थिति स्वीकार नही करते मात्र उसे क्षणिक प्रवाह माना है

(f) अष्टांगिक मार्ग → दुख निवारण हेतु मूल आठ विचार (सम्यक दर्शन, सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प आदि)

(g) मध्यम मार्ग → ना अधिक कायाक्लेश ना ही अधिक भौतिकवाद को महत्व दिया क्योंकि वे मध्यम मार्गी

(H) नास्तिकवादी → बौद्ध धर्म ईश्वर की उपस्थित अस्वीकार करता है

(I) मोक्षअवधारणा → दुख की चपाली व जन्म-पुनः जन्म जाल से मुक्ति मोक्ष है मोक्ष का साधन ज्ञान, दया परोपकार है।

(II) वेदो का विरोध → वे वेदो की महत्ता को अस्वीकार करते है।

9

प्रश्न: (3.1)

(E)

भूदान आंदोलन आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्वतंत्रता के बाद आंध्रप्रदेश से आरम्भ किया गया था।

उद्देश्य
→ भूमि का समान वितरण किया जाए
→ अतिरिक्त भूमि का गरीब कृषकों को वितरित करना।
→ आर्थिक असमानता की समाप्ति।
→ भूमि सुधार को लागू करना।

भू-आंदोलन की रणनीति निम्न रही है।

→ बिना विधि या बल प्रयोग के भूमि प्राप्ति प्रयास
→ हृदय परिवर्तन द्वारा स्वैच्छा भूमि अनुदान को प्रोत्साहन देना।
→ रचनात्मक प्रचार-प्रसार व ग्रामीण दौरों पे चयन करना
→ यह गांधी के ट्रस्टीशिप सिद्धांत भावना से प्रेरित था।

प्रमुख नेतृत्व कर्ता
(1) आचार्य विनोबा भावे, जय प्रकाश नारायण, आचार्य नरेन्द्र, आदि।

महत्व

→ भूमि के स्वैच्छिक वितरण को बढ़ावा।
→ बिना बाहरी दबाव से भूमि दान को प्रोत्साहन।
→ कृषक उद्योगपति व बड़े जमींदारों की भूमिका रही।
→ परोपकार की भावना से प्रेरित।

सीमाएं
(I) आंशिक सफलता पर्याप्त भूमि प्राप्त नहीं
(II) भूमि सम्मान का विषय क्योंकि आंशिक सफलता।

अंततः भूमि सुधार कानून लागू कर इसे बाध्यकारी बनाया गया।

कहा उचित होगा भूदान आंदोलन ने गांधीवादी सत्य-अहिंसा, परोपकार भावना से प्रेरित होकर भू-सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

9

102/50